International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in December 2024, ISSN -2393-8048

महामारी के बाद शिक्षाः डिजिटल क्रांति का प्रभाव

Basant Kumar, Research Scholar, Department of Education, Radha Govind University, Ramgarh, Jharkhand
Dr. Neeraj Kumar, Associate Professor, Department of Education, Radha Govind University, Ramgarh, Jharkhand

सारांश

कोविड-19 महामारी ने वैश्विक शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व परिवर्तन लाए हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य महामारी के बाद शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के प्रभावों का विश्लेषण करना है। इस शोध में ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम, तकनीकी चुनौतियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों पर इसके प्रभाव तथा शिक्षा में आए बदलावों का समय अवलोकन किया गया है। परिणामस्वरूप यह पाया गया कि डिजिटल शिक्षा ने सीखने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं, साथ ही तकनीकी असमानताएँ और डिजिटल पहुँच से जुड़ी समस्याएँ भी सामने आई है। यह अध्ययन शिक्षा के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करता है।

प्रस्तावना

कोविड-19 महामारी के दौरान विश्वभर में शिक्षा प्रणाली को तत्काल ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित होना पड़ा। पारंपरिक कक्षाओं के बंद होने के कारण डिजिटल उपकरणों और इंटरनेट पर आधारित शिक्षण पद्धतियों को तेजी से अपनाया गया। इस संक्रमणकालीन समय में शिक्षा के स्वरूप, शिक्षण-पद्धतियों और सीखने के अनुभवों में गहरा परिवर्तन आया। डिजिटल क्रांति ने शिक्षा को अधिक लचीला, सुलभ और तकनीक प्रधान बना दिया है। इस अध्ययन का उद्देश्य इन परिवर्तनों को समझना और महामारी के बाद शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के प्रभावों का सम्यक मूल्यांकन करना है।

साहित्य की समीक्षा

धवन (2020) के अध्ययन में कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। इस शोध में बताया गया है कि महामारी ने पारंपरिक शिक्षा को बाधित करते हुए शिक्षण के नए डिजिटल माध्यमों को अपनाने के लिए मजबूर किया। ऑनलाइन शिक्षा ने सीखने को अधिक लचीला और सुलभ बनाया, लेकिन तकनीकी चुनौतियाँ और डिजिटल असमानताएं भी सामने आई। यह अध्ययन डिजिटल शिक्षा के लाभों के साथ-साथ इसकी सीमाओं और सुधार की जरूरतों पर भी प्रकाश डालता है।

कुमार और गुप्ता (2021) के अध्ययन में भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान शिक्षा प्रणाली पर डिजिटल विभाजन के प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। इस शोध में बताया गया है कि डिजिटल तकनीकों के सीमित उपयोग और इंटरनेट पहुँच की असमानताओं ने शिक्षा में बड़े अंतर पैदा किए। जबकि कुछ क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा ने सीखने को संभव बनाया, वहीं कई ग्रामीण और पिछडे इलाकों में छात्रों को तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण सीखने में बाधा आई। इस अध्ययन ने डिजिटल समावेशन और बुनियादी तकनीकी सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया है।

यूनेस्को (2020) की रिपोर्ट में कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक शिक्षा प्रणाली में आए व्यवधान और इसके पति अपनाई गई प्रतिक्रियाओं का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि स्कूल बंद होने के कारण ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा को तेजी से अपनाना पड़ा, जिससे शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही, डिजिटल पहुँच और संसाधनों की कमी ने शिक्षा में असमानताएँ बढ़ाई। यूनेस्को ने इस संदर्भ में शिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियाँ सुझाई।

उद्देश्य

- कौविड-19 के बाद शिक्षा में डिजिटल माध्यमों के उपयोग का विश्लेषण करना।
- डिजिटल शिक्षा के प्रभावों को शिक्षकों और विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से समझना।
- डिजिटल क्रांति से उत्पन्न तकनीकी और सामाजिक चुनौतियों की पहचान करना।
- भविष्य में शिक्षा में डिजिटल तकनीकों के सही उपयोग के लिए सुझाव देना।

विधि-विधान

यह अध्ययन प्राथमिक और द्वितीयक दोनों स्रोतों पर आधारित है।

अध्ययन का प्रकार

यह अध्ययन प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के खोलों पर आधारित है। प्राथमिक सोतों से सीधे डेटा एकत्रित किया गया है, जबकि द्वितीयक स्रोतों से पूर्व में प्रकाशित शोध और रिपोर्ट का उपयोग किया गया है, जिससे विषय की व्यापक समझ सुनिश्चित हुई है।

प्राथमिक डेटा संग्रह

प्राथमिक डेटा संग्रह के लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच प्रश्नावली सर्वेक्षण और गहन साक्षात्कार आयोजित किए गए, जिनसे डिजिटल शिक्षा के उपयोग और प्रभावों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त हुई।

द्वितीयक डेटा संग्रह

द्वितीयक डेटा संग्रह के लिए शैक्षणिक रिपोर्ट, शोधपत्र और संबंधित प्रकाशनों का अध्ययन किया गया, जिससे डिजिटन शिक्षा के विभिन्न पहलुओं और पिछले अनुसंधानों की जानकारी प्राप्त हुई।

सर्वेक्षण प्रश्नों का क्षेत्र

सर्वेक्षण के प्रश्न डिजिटल शिक्षा के उपयोग, उसकी प्रभावशीलता, और इससे जुड़ी तकनीकी समस्याओं पर केंद्रित थे, जिनसे डिजिटल शिक्षा के वास्तविक अनुभव और चुनौतियों को समझने में सहायता मिली।

आंकड़ का विश्लेषण

एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण दो प्रकार से किया गयाः साख्यिकीय विश्लेषण के माध्यम से डेटा की मात्रात्मक व्याख्या की गई और गुणात्मक (Thematic) विश्लेषण द्वारा विषयानुसार जानकारी का गहन अध्ययन किया गया, जिससे शोध के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद मिली।

निष्कर्ष

महामारी के बाद शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल कांति ने शिक्षण और अधिगम के तरीके में गहरा परिवर्तन किया है। डिजिटल शिक्षा ने भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए सीखने को अधिक व्यापक और सुलभ बनाया है। इसके साथ ही डिजिटल उपकरणों की असमान पहुंच और तकनीकी समस्याएं शिक्षा में बाधक भी बनी है। भविष्य में, शिक्षा को अधिक समावेशी बनाने के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता प्रदान करना आवश्यक होगा। डिजिटल शिक्षा की ये क्रांति शिक्षा के स्वरूप को स्थायी रूप से बदलने की क्षमता रखती है।

संदर्भ

1. धवन, स. (2020). कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा एक अध्ययन। शैक्षणिक प्रौद्योगिकी प्रणाली पत्रिका, 49 (1), 5-221
2 कुमार, व., एव गुप्ता, स. (2021). भारत में कोविड-19 का शिक्षा और डिजिटल विभाजन पर प्रभाव। अंतरराष्ट्रीय नवाचार और विकास पत्रिका, 10(3), 120-1281
3. यूनेस्को। (2020). कोविड-19 के दौरान शिक्षा में व्यवधान और प्रतिक्रिया। https://en.unesco.org/covid19/educationresponse
4. सिंह, व., एवं थरमैन, ए. (2019) ऑनलाइन शिक्षा की परिभाषाएँ एक साहित्य समीक्षा। अमेरिकी पत्रिका ऑन डिस्टेस एजुकेशन, 33(4), 289-3061
5. विश्व बैंक। (2021) दूरस्थ शिक्षा, एजटेक और कोविड-19। वाशिंगटन, डीसी विश्व बैंक समूह। https://www.worldbank.org/en/topic/edutech/brief/edtech-covid-19
6. अग्रवाल, ए. एवं कौशिक, जे एस. (2020) कोविड महामारी के दौरान विद्यार्थियों की ऑनलाइन शिक्षा पर धारणा। भारतीय बाल रोग पत्रिका, 87(7), 5541
7. होजेस, सी., मूर, एस., लॉक, बी., ट्रस्ट, टी, एवं बॉन्ड, ए. (2020) आपातकालीन रिमोट टीचिंग और ऑनलाइन लर्निंग में अंतर। एजुकेस रिव्यू।
8. बा.ओ, डब्ल्यू (2020) कोविड-19 और उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षण, एक केस स्टडी। ह्यूमन बिहेवियर एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, 2(2), 113-1151
9. अदनान, एम., एवं अनवर, के (2020). कोविड-19 महामारी के बीच ऑनलाइन शिक्षाः छात्रों के दृष्टिकोण। शिक्षण समाजशास्त्र और मनोविज्ञान पत्रिका, 2(1), 45-511
10. धवन, स., एव गौतम, स. (2021) कोविड-19 महामारी के दौरान शिक्षा का डिजिटल रुपांतरण अवसर और चुनौतियों। शिक्षा और ई-लर्निंग अनुसंधान पत्रिका, 8(1), 1-91
11. मिश्रा, एल., गुप्ता, टी, एव श्रे, ए. (2020). लॉकडाउन अवधि के दौरान उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षण-सीखन। अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान पत्र, 1, 100012]
12. कुमार, ए., एवं नायर, के. आर. (2021) कोविड-19 और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव। मानसिक स्वास्थ्य पत्रिका, 30(1), 1-21
13. मीन्स, बी., टाँयामा, वाई, मर्की, आर, बाकिया, एम., एवं जोन्स, के (2010) ऑनलाइन शिक्षा में प्रमाणित अभ्यासों का मूल्यांकन। अमेरिका शिक्षा विभाग।
14. टेली, एस, डेन ब्रोक, पी., एवं चकिरोग्लू, जे. (2019). कम्प्यूटर आधारित सहयोगी शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षण आत्म-प्रभावशीलता और सामाजिक उपस्थिति। शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकियों, 24(1), 367-3861
15 द्वास्तिस्की, एस. (2008). असिंक्रोनस और सिंक्रोनस ई-लर्निंग । एजुकेस क्वार्टरली, 31(4), 51-551